कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHN–004

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन) (एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.एन.-004 : तत्त्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं ? निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

*(iii) हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी **अथवा** संस्कृत में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. तत्त्वज्ञान में दर्शन की क्या भूमिका होती है ? विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. पंचमहाभूत की अवधारणा का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. दर्शन के प्रयोजनों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. भगवान् की अवधारणा का वर्णन कीजिए।
5. कालतत्त्व का विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. जैन परम्परा में आत्मतत्त्व का निरूपण कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. परमशिव के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2. वाक् सूक्त के आधार पर स्त्रीतत्त्व का वर्णन कीजिए।
3. देवी एवं स्त्री के सम्बन्ध में शक्ति एवं प्रकृति का सिद्धान्त लिखिए।
4. वर्ण की तात्त्विकता पर टिप्पणी लिखिए।
5. अद्वैत पद्धति के अनुसार एकत्व का वर्णन कीजिए।
6. आगम और निगम के सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए।
7. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार दैवी सम्पदा का परिचय लिखिए।

× × × × ×